Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre,Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30,Siddh Co-op.Hsg.Society,
Siddharth Nagar No.2,Goregaon (West),
Mumbai - 400 062.• Phone :022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

ॐ

14-12-2010
मंगलवार

❀ संकल्प पर्व ❀

सभी पुण्य आत्माओ को मेरा नमस्कार - - - -

आज से ठीक एक माह के बाद 16 जनवरीसे "गहनध्यान अनुष्ठान" प्रांरभ होने जा रहा है। यह अनुष्ठान मे इस बार "गोवा" के लिये "मंगलमुर्ती" का संकल्प किया जायेगा। एक सामान्य सी मुर्ती मे एक महान "संकल्पशकती" के द्वारा वैश्वीक चेतना स्थापीत की जायेगी। इस लीये वास्तव मे यह एक "संकल्प पर्व" ही है।

किसी भी मुर्ती मे वैश्वीक चेतना स्थापीत करने के पुर्व उसका "शुद्धीकरण" आवश्यक होता है। ठिक उसी प्रकार से इस मुर्ती का शुद्धीकरण भी होगा विभीन्न धातुओ का शुद्धीकरण पंचधातुओ का शुद्धीकरण, निर्माण प्रक्रीया जो स्पर्श हुआ है। उसका शुद्धीकरण, आप भी इस गहनध्यान मे चित्त से जुडकर अपने पांच दोषो से अपने शरीर को शुद्ध कर सकते है। अपने आप को शरीर के दोषोसे मुकत कर सकते है। अपना स्वंयम का शुद्धीकरण भी कर सकते है। आप भी इस मुर्ती के साथ2 दोष मुकत, पवीत्र, हो सकते है।

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre,Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30,Siddh Co-op.Hsg.Society,
Siddharth Nagar No.2,Goregaon (West),
Mumbai - 400 062.• Phone :022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

खाली और निखालस हो सकते है। एक छोटे नन्हे बच्चे के समान, जैसा परमात्मा ने आपको निर्माण किया था। आप आपकी शरीररुपी गंदी बोतल जितनी झुकायेगे उतनी ही वह इन दिनो मे खाली होगी और जितनी खाली होगी उतना ही अधिक शक्तीया मुर्ती के साथ-साथ आप मे भी स्थापीत होगी। यह 45 दिन का अनुष्ठान आप के लिये एक स्वर्णिम अवसर साबीत होगा अपना स्वंयम का शुद्धीकरण करने के लिये आप सभी उस अनुष्ठान का लाभ ले। इसी लिये एक माह पुर्व ही सुचीत कर मेरा कर्तव्य पुर्ण कर रहा हुँ।

अभी तक हम जानते है। की बीना जिवन्त गुरु के "अनुभुती" नही हो सकती है। क्योकी अनुभुती एक जिवन्त प्रक्रीया है। लेकीन "गहनध्यान अनुष्ठान" गुरुशक्तीयो का प्रगतीशील स्वरुप है। यह अनुष्ठान मे जिवन्त सदगुरु अपने जिवन काल मे अपनी सारी जिवन्त शक्तीया एक मंगलमुर्ती मे प्रवाहीत करता है। और यह संकल्प करता है। की यह मुर्तीया भविष्य मे एक "कल्पतरु का वृक्ष" बने जिसके सामने आकर मनुष्य जो भी इच्छा करे वह पुर्ण हो अब मनुष्य को क्या मांगना है। वह उसी की स्थिती पर ही निर्भर करेगा। वह मुर्तीया "आत्मसाक्षात्कार" भी करा सकती है।

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre,Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30,Siddh Co-op.Hsg.Society,
Siddharth Nagar No.2,Goregaon (West),
Mumbai - 400 062.• Phone :022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

इस प्रकार गहनध्यान अनुष्ठान एक महान संकल्प पर्व होगा।
आप इन अनुष्ठान मे जो भी संकल्प करेंगे वह सभी पुर्ण
होंगे ही। इस बात का विश्वास रखे। इस अनुष्ठान का एक
एक दिन महत्वपूर्ण साबीत होगा।
परमात्मा साक्षात "आत्मा" को जागृत करता है। और आत्मा की हुयी
अनुभुती शरीर तो केवल महसुस करता है। याने आत्मानंद
पाने के लिये "आत्मा" बनना होगा। और आत्मा बनने के लिये
अपने भितर बैठे "आत्मा" का एहसास करना होगा। वह एक
पवीत्र स्वरूप है, एक शुद्ध स्वरूप है। आप अपने आप को आत्मा
समझेंगे तो तो जिवन की सारी समस्या ही समाप्त हो जायेगी
क्योंकी सारी समस्याएं शरीर से ही संमन्धीत होती है।
और चैतन्य की अनुभुतीया होती ही रहेगी। आज के युग
मे सबसे दुर्लभ है। आत्मशांती वह इस अनुष्ठान मे प्राप्त
होगी। जिस प्रकार से एक बडे हॉल मे चल रहे टी.वी. पर
जो चल रहा है। वह उस हॉल के सभी लोग चाहे तो देख
सकते है। ठीक इसी प्रकार से गहन ध्यान अनुष्ठान
प्रत्येक मनुष्य के लिये है। कोई भी उससे "जुडकर" (चित्तसे)
उसका लाभ ले सकता है। क्योंकी संकल्पशक्ती
परमात्मा की शक्ती है, और वह सभी के लिये समान
बहने वाली है। गहन ध्यान अनुष्ठान वह संकल्प पर्व है।
जब सभी पुण्य आत्माएं एक लाखो की सामुहीकता के
साथ जाती, भाषा, धर्म, देश, रंग सभी प्रकार की

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre,Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30,Siddh Co-op.Hsg.Society,
Siddharth Nagar No.2,Goregaon (West),
Mumbai - 400 062.• Phone :022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

शरीर की सिमाऐं लांघ कर केवल और केवल आत्मा बन कर उसमे शामील होती है। ऐसी विशाल सामुहिकता के शक्ती उत्सव "गहन ध्यान अनुष्ठान" होता है।
सद्गुरु का आपसे अनुभुती के रूप मे सम्पर्क होता है। यह एक "सत्य" है। आप भी इसे अनुभव लेकर देखे। और एक अच्छे संकल्प के साथ इस संकल्प पर्व मे शामील होईये। इस महान पर्व का और भी महत्व है, क्योकी यह "जागृती वर्ष" मे मनाया जा रहा है। अपने आप को जागृत करे और जाने आप कौन है। और आप अपने आप को क्या समझ रहे है। "समाज मे रहकर ईश्वर प्राप्ती केवल और केवल सामुहिकता मे ही संभव है।" आईये हम सब मिलकर संकल्प पर्व को मनाये। आप सभी को खुब खुब आशिर्वाद - - -

आपका
बाबास्वामी
14/12/2010